मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BHDC–134

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सी. बी. सी. एस.)

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एच.डी.सी.-134 : हिन्दी गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×18=36

(क) नियति का लेख बँधा है। एक भी अक्षर उसका यहाँ से वहाँ न हो सकेगा। वह बदलता नहीं, बदलेगा नहीं। पर

विधि का वह अतर्क्य लेख किस विधाता ने बनाया है, उसका उसमें क्या प्रयोजन है—यह भी कभी पूछकर जानने की इच्छा की जा सकती है, या नहीं।

(ख) दुनिया सोती थी पर दुनिया की जीभ जगती थी। सबेरे देखिए तो बालक, वृद्ध सबके मुँह से यही बात सुनाई देती थी। जिसे देखिए वही पण्डित जी के इस व्यवहार पर टीका–टिप्पणी कर रहा था, निन्दा की बौछारें हो रही थीं, मानो संसार से अब पापी का पाप कट गया। पानी को दूध के नाम से बेचने वाला ग्वाला, कल्पित रोजनामचे भरने वाले अधिकारी वर्ग, रेल में बिना टिकट सफर करने वाले बाबू लोग, जाली दस्तावेज बनाने वाले सेठ और साहूकार यह सब के सब देवताओं की भाँति गर्दन चला रहे थे।

(ग) मैं ईश्वर को नहीं मानता, मैं पाप को नहीं मानता, मैं दया को नहीं समझ सकता, मैं उस लोक में विश्वास नहीं करता पर मुझे अपने हृदय के एक दुर्बल अंश पर श्रद्धा हो चली है। तुम न जाने कैसे एक बहकी हुई तारिका के समान मेरे शून्य में उदित हो गई हो। आलोक की एक कोमल रेखा इस निविड़तम में मुस्कराने लगी।

(घ) दुनिया में त्याग नहीं है, प्रेम नहीं है, परार्थ नहीं है, परमार्थ नहीं है—है केवल प्रचण्ड स्वार्थ। भीतर की जिजीविषा - जीते रहने की प्रचण्ड इच्छा - ही अगर बड़ी बात हो तो फिर यह सारी बड़ी-बड़ी बोलियाँ जिनके बल पर दल बनाये जाते हैं, शत्रु मर्दन का अभिनय किया जाता है, देशोद्धार का नारा लगाया जाता

है, साहित्य और कला की महिमा गायी जाती है, झूठ है। इसके द्वारा कोई न कोई अपना बड़ा स्वार्थ सिद्ध करता है।

2. हिन्दी गद्य के विकास के कारणों की चर्चा कीजिए। 16

3. 'त्यागपत्र' उपन्यास के कथानक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

4. 'वापसी' कहानी की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 16

5. 'नमक का दारोगा' कहानी के पात्र मुंशी वंशीधर की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। 16

6. 'कुटज' निबन्ध के प्रतिपाद्य की विवेचना कीजिए। 16

7. 'सहस्र फणों का मणि-दीप' निबन्ध की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। 16

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

2×8=16

(क) भारतेन्दु युगीन गद्य

(ख) निबंध के भेद

(ग) 'त्याग-पत्र' उपन्यास की पात्र मृणाल का चरित्र-चित्रण

(घ) 'आकाशदीप' कहानी की संवाद-योजना।

× × × × ×